प्रतिबिम्ब

(NEWS LETTER)

कु0 मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बादलपुर, गौतमबुद्ध नगर

NAAC IInd Cycle : B++ (2.91)

Certified : ISO 9001-2015

KMGGPGC

स्थापना वर्ष-1997

VOL.3 / ISSUE 1/JUL 2020–SEP 2020

प्राचार्या की कलम से

" जब तक कार्य संपन्न न हो जाए असंभव लगता है "

–नेल्सन मंडेला

24 मार्च, 2020 को कोविड-19 की विषम परिस्थिति में जब देश भर में लॉकडाउन घोषित किया गया , तो उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अध्ययन प्रक्रिया को सुचारू रखने की एक बड़ी चुनौती सामने आई। प्रत्यक्ष शिक्षण को ऑनलाइन शिक्षण में स्थानांतरित कर पाना असम्भव प्रतीत हो रहा था, क्योंकि उत्तर प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्र के छात्र-छात्राएं न तो इससे परिचित थे और न ही उनके पास इस हेतु पर्याप्त सुविधाएं तथा संसाधन उपलब्ध थे, किंतु विकल्प के अभाव में अनुप्रयोग के रूप में इसकी पहल की गई और इसके चमत्कारिक परिणाम सामने आए।

यह सुखद आश्चर्य का विषय है कि न केवल समस्त प्राध्यापकों ने स्वयं को इस हेतु सफल व सक्षम सिद्ध किया वरन् महाविद्यालय की छात्राओं ने भी असंभव को संभव बनाते हुए ऑनलाइन कक्षाओं, परीक्षाओं तथा प्रतियोगिताओं इत्यादि में पूर्ण सहभागिता की।

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा इन परिस्थितियों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षण हेतु डिजिटल लाइब्रेरी बनाने की पहल निसंदेह एक सराहनीय प्रयास है । इस हेतु ई-कंटेंट विनिर्मित करने में महाविद्यालय के प्राध्यापकगण पूर्ण निष्ठा से संलग्न है तथा किसी भी परिस्थिति में शिक्षण की गुणवत्ता बनाए रखने हेतु कृत संकल्प है । भविष्य की शुभकामनाओं सहित,

–डॉ. दिव्या नाथ

सड़क सुरक्षा सप्ताह का आयोजन

बढ़ती हुई सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के उद्देश्य से जनपदीय स्तर पर गठित सड़क सुरक्षा समिति की जिलाधिकारी कार्यालय में दो बार (दिनांक 25 जून 2020 एवं दिनांक 18 सितम्बर 2020) बैठक आयोजित की गयी । इन दोनों ही बैठकों में कुमारी मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय की ओर से डॉ आशा रानी (समिति प्रभारी) एवं डॉ मणि अरोरा (सदस्य) ने प्रतिभाग किया । प्रथम बैठक में सड़क सुरक्षा सप्ताह मनाना सुनिश्चित किया गया एवं सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उपायों पर चर्चा की गयी। विभिन्न माध्यमों से लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के उपायों पर भी चर्चा की गयी । द्वितीय चरण में विभिन दुर्घटना संभावित स्थानों को चिन्हित किया गया । बैठक में जीरो विजिबिलिटी और सड़क के किनारे लगे पेड़ो से होने वाली दुर्घटनाओं एवं उसके बचाव के उपायों पर चर्चा की गयी। इस क्रम में प्राचार्या महोदया के निर्देशन में समिति द्वारा महाविद्यालय की छात्राओं को ऑनलाइन कार्यक्रम के माध्यम से सड़क दुर्घटनाओं के प्रति सचेत करते हुए उनको सड़क सुरक्षा से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराई गई। इसके साथ ही सड़क सुरक्षा से संबंधित क्विज प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया ।

वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम

महाविद्यालय में दिनाँक 05 जुलाई 2020 को वन महोत्सव (01-07 जुलाई 2020) के क्रम में वृहद वृक्षारोपण अभियान चलाया गया जहां शासन द्वारा निर्गत निर्देशों एवम प्रस्तावित सावधानियों के साथ, विभिन्न प्रजातियों के कुल 700 पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर (डॉ०) दिव्या नाथ द्वारा अभियान को कुशल नेतृत्व एवम निर्देशन प्रदान किया गया, जहां उनके साथ ग्राम प्रधान बादलपुर श्री विजयपाल सिंह, महाविद्यालय की एनसीसी,एनएसएस एवम रेंजर्स इकाई सहित इको क्लब के समस्त सदस्य उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष उत्तर प्रदेश शासन द्वारा एक ही दिन अर्थात 05 जुलाई 2020 को प्रदेश में 25 करोड़ वृक्षों के रोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, जिसके अनुपालन में जनपद गौतमबुद्ध नगर को 17700 वृक्षों के रोपण, संरक्षण एवं संवर्धन का लक्ष्य दिया गया था एवं इस हेतु कु. मायावती राजकीय महिला महाविद्यालय,बादलपुर की प्राचार्या प्रोफेसर (डॉ.) दिव्या नाथ को जनपद का नोडल अधिकारी नामित किया गया था । उनके निर्देशन में सम्पूर्ण जनपद की समस्त शैक्षणिक संस्थाओं में आबंटित लक्ष्यों के अनुरूप पौधरोपण अभियान चलाया गया तथा मिहिर भोज महाविद्यालय एवम राजकीय महाविद्यालय, नोएडा को आदर्श प्लान्टेशन साइट के रूप में विकसित किया गया। मिहिर भोज महाविद्यालय, दादरी एवम राजकीय महाविद्यालय, नोएडा द्वारा क्रमशः आवंटित लक्ष्यों के अनुरूप 2000 एवम 3000 वृक्ष लगाए गए। इस अवसर पर डॉ. शिल्पी,डॉ. सुशीला, डॉ. नेहा त्रिपाठी, डॉ. ऋचा, डॉ. प्रतिभा तोमर, डॉ. सत्यन्त कुमार, श्री कनक कुमार, लेफ्टिनेंट (डॉ) मीनाक्षी लोहनी, श्री महेश भाटी, श्री माधव,श्री अभिषेक, श्री मुकेश कुमार सहित महाविद्यालय परिवार के अन्य सदस्यों की उपस्थिति एवं सहयोग रहा।

सम्पादिका की कलम से

"शिक्षा एक निरंतर और संचयी प्रक्रिया है ।" किसी भी समय और परिस्थिति में अधिगम चलता ही रहता है। कोविड-19 के प्रसार ने जहाँ एक ओर सामान्य कक्षा शिक्षण को बाधित किया वही सम्पूर्ण विश्व को यह सोचने पर बाध्य किया कि हमें अपनी प्राथमिकताओं और लक्ष्यों के पुनर्मूल्यांकन की आवश्यकता है। विकास और विनाश तथा नैसर्गिक आवश्यकताओं एवं महत्वाकांक्षाओं में विभेद का विवेक जगाना वर्तमान विषम परिस्थिति की सबसे बड़ी शिक्षा है । महाविद्यालय प्रशासन एवं प्राध्यापकों द्वारा ऑनलाइन शिक्षण , पाठ्यसहगामी क्रियाओं, वेबिनारों तथा व्याख्यान श्रृंखला इत्यादि विभिन्न माध्यमों से महाविद्यालय की छात्राओं को तनावमुक्त कर उन्हें सहज व स्वाभाविक रूप से सीखने का मंच देने एवं स्वयं, परिवार, समाज तथा देश के प्रति उनके दायित्वों का बोध कराने के हर संभव प्रयास किए जा रहें है, जिससे वह विवेकशून्य प्रतिस्पर्धा और अतिमहत्वाकांक्षाओं से स्वयं को मुक्त कर प्रकृति की लय को समझ सके व जीवन में सफलता, सुख तथा शांति में सामंजस्य बनाने का कौशल सीख सकें। महाविद्यालय के उपर्युक्त प्रयासों का लेखा- जोखा प्रतिबिंब के वर्तमान अंक के रूप में सुधीजनों को विनत भाव से समर्पित है।

- डॉ. दीप्ति वाजपेयी

भूजल सप्ताह का आयोजन

महाविद्यालय के भूगोल विभाग में दिनांक 16 से 22 जुलाई 2020 तक भूजल सप्ताह का आयोजन किया गया। भूजल सप्ताह का शुभारंभ दिनांक 16 जुलाई को प्राचार्या डॉ दिव्या नाथ जी के द्वारा वृक्षारोपण के साथ हुआ। उक्त क्रम में दिनांक 17 जुलाई को कार्यक्रम संयोजिका व विभागाध्यक्ष डॉ. मीनाक्षी लोहनी द्वारा ''भूजल– वर्तमान और भविष्य'' शीर्षक पर सारगर्भित व्याख्यान दिया गया। इस अवसर पर उनके द्वारा छात्राओं से भविष्य में जल–संरक्षण के प्रयासों में तीव्रता लाने की शपथ दिलाई गई। दिनांक 18 जुलाई को आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में डॉ.कनक कुमार द्वारा ''जल ही जीवन है'' शीर्षक पर व्याख्यान दिया गया । उन्होंने सरल शैली में भूजल के गिरते स्तर जैसी जटिल समस्या के समाधान के सरल उपाय भी बताए। दिनांक 19 जुलाई को डॉ. निशा यादव द्वारा ''भूजल का गिरता स्तर– एक ज्वलंत समस्या '' विषय पर अभिव्यक्ति की गई। उक्त क्रम में दिनांक 20 व 21 जुलाई को छात्राओं को मौखिक प्रस्तुति के अवसर के साथ–साथ अपने अपने गांवों में जाकर जनसहभागिता से वृक्षारोपण का कार्य भी किया गया जिसके सापेक्ष छात्राओं ने व्यापक प्रयासों से कुल 80 वृक्ष लगाए , साथ ही सभी छात्राओं द्वारा कोविड–19 के दृष्टिगत सामाजिक दूरी एवम मास्क लगाने के लिए अपने समाज को जागरूक भी किया गया। भूजल सप्ताह के समापन सत्र में भूजल समस्या पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमे छात्राओं ने उत्साह के साथ प्रतिभाग किया । पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कु. दिव्या, द्वितीय स्थान कु. जूबी तथा तृतीय स्थान कु. गुलिस्ता सैफी ने प्राप्त किया । अपने समापन उदबोधन में संस्था की प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ जी द्वारा कोविड–19 के दृष्टिगत सामाजिक दूरी एवम मास्क लगाने के लिए अपने समाज को जागरूक करने तथा जल के संरक्षण पर बल किया गया । अंत में डॉ. निशा यादव द्वारा ऑनलाइन सभागार में उपस्थित सदस्यों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों की उपस्तिथि एवम सहयोग सराहनीय रहा।

राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन

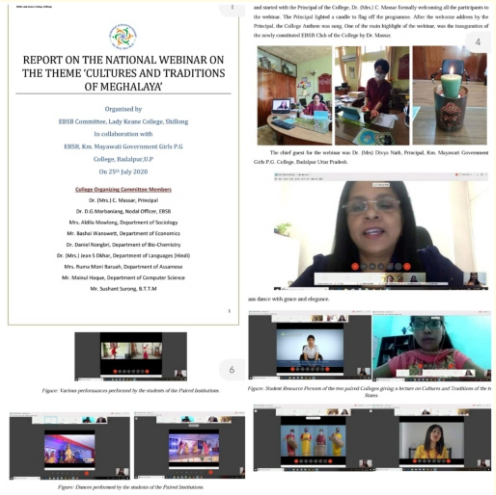
REPORT ON THE NATIONAL WEBINAR ON THE THEME 'CULTURES AND TRADITIONS OF MEGHALAYA'

Organised by
EBSB Committee, Lady Keane College, Shillong
In collaboration with
EBSB, Km. Mayawati Government Girls P.G College, Badalpur,U.P
On 25th July 2020

College Organizing Committee Members
Dr. (Mrs.) C. Massar, Principal
Dr. D.G.Marbaniang, Nodal Officer, EBSB
Mrs. Abilin Mawlong, Department of Sociology
Mr. Bashir Warasweit, Department of Economics
Dr. Daniel Nongbri, Department of Bio-Chemistry
Dr. (Mrs.) Jean S Dikhar, Department of Languages (Hindi)
Mrs. Rama Moni Baruah, Department of Assamese
Mr. Mainul Hoque, Department of Computer Science
Mr. Sushant Surong, B.T.T.M

and started with the Principal of the College, Dr. (Mrs.) C. Massar formally welcoming all the participants to the webinar. The Principal lighted a candle to flag off the programme. After the welcome address by the Principal, the College Anthem was sung. One of the main highlight of the webinar, was the inauguration of the newly constituted EBSB Club of the College by Dr. Massar.

The chief guest for the webinar was Dr. (Mrs) Divya Nath, Principal, Km. Mayawati Government Girls P.G. College, Badalpur Uttar Pradesh.

Figure: Various performances performed by the students of the Paired Institution.

Figure: Student Resource Person of the two paired Colleges giving a lecture on Cultures and Traditions of the 8 States

Figure: Dances performed by the students of the Paired Institutions.

कु.मायावती राजकीय महिला महाविद्यालय, बादलपुर तथा लेडी कीन कॉलेज,शिलांग के मध्य ''एक भारत श्रेष्ठ भारत'' अभियान के क्रम में दिनाँक 25 जुलाई 2020 को राष्ट्रीय वेबिनार का ऑनलाइन आयोजन किया गया। ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन लेडी कीन कॉलेज,शिलांग की एक भारत श्रेष्ठ भारत समिति के सौजन्य से किया गया। उक्त से पूर्व दिनाँक 16 जून, 2020 को कु.मायावती राजकीय महिला महाविद्यालय की ''एक भारत श्रेष्ठ भारत समिति'' द्वारा आयोजित वेबिनार के उपरान्त मेघालय की युग्मित संस्था द्वारा आयोजित ये कार्यक्रम सांस्कृतिक एवं साहित्यिक हस्तांतरण का उत्कृष्ट उदाहरण साबित हुआ। मेघालय की सांस्कृतिक धरा पर उत्तर प्रदेश के प्रतिनिधि के रूप में संस्था की छात्राओं द्वारा सर्वप्रथम कोंच नृत्य प्रस्तुत किया गया जिसने सभी को रोमांचित कर दिया। इसी क्रम में संस्था की छात्राओं द्वारा श्री कृष्ण–राधा के प्रेम को नृत्य के माध्यम से भी प्रस्तुत किया गया। मंच संचालिका के रूप में कु.मायावती राजकीय महिला महाविद्यालय की एन.सी.सी कैडेट कु.निशा सिंह का कुशल संचालन प्रभावित करने वाला था। इस अवसर सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की दीर्घ श्रृंखला के उपरांत मुख्य अतिथि के रूप में अपने संबोधन में डॉ. दिव्या नाथ द्वारा भारत सरकार की ''एक भारत श्रेष्ठ भारत अभियान'' की परिकल्पना के निहित दर्शन को स्पष्ट करते हुए कहा गया कि आज इस अभियान के कारण ही ये सम्भव हुआ है कि मेघालय का लोकनृत्य बादलपुर की धरा पर किया जा रहा है और मेघालय के छात्र उत्तर प्रदेश की विभिन्नता से परिचित हो रहे है।कार्यक्रम के समापन पर लेडी कीन कॉलेज की प्राचार्या द्वारा सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया गया तथा भविष्य में भी सांस्कृतिक एवं साहित्यिक आदान प्रदान को उन्मुक्त मंच उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया।इस अवसर पर कु. मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बादलपुर की एक भारत श्रेष्ठ भारत अभियान की नोडल प्रभारी लेफ्टिनेंट (डॉ.) मीनाक्षी लोहनी द्वारा युग्मित संस्थाओं के मध्य कार्यक्रमों की प्रस्तावित आख्या एवं अर्जित उपलब्धियां सांझा की गई। वेबिनार में महाविद्यालय परिवार के समस्त शिक्षकों एवम छात्राओं की उपस्थिति एवं सहभागिता सराहनीय रही।

कारगिल दिवस समारोह

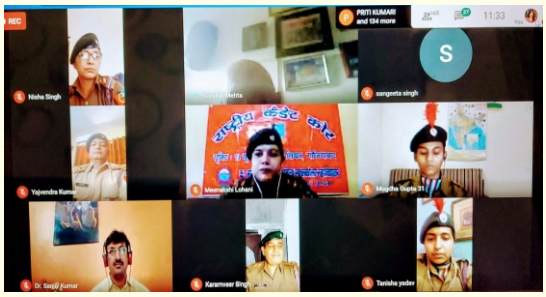

महाविद्यालय एवं गाजियाबाद एन. सी.सी ग्रुप मुख्यालय के संयुक्त सौजन्य से दिनांक 26 जुलाई, 2020 को इक्कीसवां कारगिल विजय दिवस समारोह आयोजित किया गया । कार्यक्रम के आयोजन का दायित्व ग्रुप मुख्यालय द्वारा 13 यू .पी. गर्ल्स बटालियन को दिया गया। नियोजित कार्यक्रमानुसार दिनांक 26 जुलाई 2020 को 11 बजे गूगल मीट पर ऑनलाइन कार्यक्रम प्रारम्भ हुआ जिसकी अध्यक्षता प्राचार्या प्रो (डॉ) दिव्या नाथ जी द्वारा की गयी तथा मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के पद को परम विशिष्ट सेवा मैडल,अति विशिष्ट सेवा मैडल,युद्ध सेना मैडल एवं विशिष्ट सेना मैडल से अलंकृत सेवानिवृत लेफ्टिनेंट जनरल श्री रणधीर सिंह मेहता द्वारा सुशोभित किया गया।कार्यक्रम का प्रारम्भ 13 गर्ल्स एन सी सी बटालियन की कैडेट द्वारा गाये गए स्वागत गीत द्वारा हुआ जिसके मधुर बोल थे ''मन की वीणा से गुंजित ध्वनि मंगलम,स्वागतम स्वागतम''। इसी क्रम में कार्यक्रम

की मुख्य संयोजिका एवम प्रभारी लेफ्टिनेंट (डॉ.) मीनाक्षी लोहनी द्वारा अपने उदबोधन में कार्यक्रम की सम्मानित अध्यक्षा,आदरणीय मुख्य अतिथि,समस्त एन.सी.सी प्रभारियों एवम अधिकारियों,महाविद्यालय के सभी शिक्षक सदस्यों सहित उपस्थित समस्त कैडेट्स का स्वागत किया गया।इसके उपरांत कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल श्री रणधीर कुमार मेहता ने कारगिल की शौर्य गाथा से सभी को रोमांचित कर दिया। उन्होंने सेना के अपने निजी अनुभवों को साझा कर सभी कैडेट्स का आह्वान किया कि वे इस विजय के मूल्य को समझें एवम राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों का नियमानुसार निर्वहन भी करें।कार्यक्रम के अगले पड़ाव में शपथ ग्रहण आयोजित किया गया जिसमें सभी उपस्थित कैडेट्स एवम एन.सी.सी अधिकारियों द्वारा राष्ट्रीय एकता एवम अखण्डता की शपथ ली गयी। इस अवसर पर कैडेट्स के लिए कारगिल के शौर्य एवम नेशनल वॉर मेमोरियल से सम्बंधित लघु फिल्म भी प्रस्तुत की गई। उक्त के क्रम में एन.सी.सी अधिकारी श्रीमती पूजा तोमर द्वारा निर्देशित एवम अपनी आवाज से सुसज्जित कारगिल युद्ध में परम वीर चक्र विजेताओं के साहस एवम शौर्य पर आधारित लघुफिल्म भी प्रस्तुत की गई । इस अवसर पर आयोजित स्वरचित कविता पाठ प्रतियोगिता में गाजियाबाद एन सी सी ग्रुप के अधीन दस बटालियन में से प्रत्येक के एक कैडेट ने अपनी सराहनीय प्रस्तुति दी जहां थर्ड ऑफिसर श्रीमती शालिनी शर्मा,लेफ्टिनेंट कर्मवीर सिंह एवम लेफ्टिनेंट संगीता सिंह ने निर्णायक मंडल के पद को सुशोभित किया। वेबिनार की मुख्य संयोजिका लेफ्टिनेंट(डॉ.) मीनाक्षी लोहानी द्वारा ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के तथ्य एवम उसमें सहभागिता की संख्या आदि से उपस्थित प्रतिभागियों को अवगत कराया गया।कार्यक्रम के समापन सत्र में कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं प्राचार्या प्रोफेसर (डॉ.) दिव्या नाथ ने मानव व्यक्तित्व के निर्माण में शहीदों के शौर्य इतिहास के ज्ञान के महत्व को स्पष्ट किया गया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रऋण से बड़ा कोई ऋण नहीं अतः हम सभी राष्ट्र के सम्मान एवम वैभव के लिए अपने जीवन को समर्पित करें। अन्त में लेफ्टिनेंट (डॉ.) मीनाक्षी लोहनी द्वारा कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवम अध्यक्षा सहित सभी बटालियन के कैडेट्स एवम एन सी सी अधिकारियों को उनकी उपस्थिति एवम सहयोग हेतु धन्यवाद ज्ञापित किया गया। अंतिम क्षणों में राष्ट्र गान की ध्वनि के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ । कार्यक्रम का संचालन डॉ संजीव कुमार द्वारा किया गया।

स्वतंत्रता दिवस समारोह

महाविद्यालय में राष्ट्रीय गौरव एवम् सम्मान का प्रतीक देश का 74वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कोविड 19 के नियमों का पालन करते हुए शारीरिक दूरी एवम् मास्क आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करते हुए सर्वप्रथम प्राचार्य डॉ दिव्या नाथ द्वारा महाविद्यालय में पूर्ण सम्मान के साथ ध्वजारोहण किया। तत्पश्चात डॉ दिनेश चंद्र शर्मा द्वारा माननीय शिक्षा निदेशिका , उच्च शिक्षा का सन्देश वाचन किया जिसकी सभी ने करतल ध्वनि से सराहना की । समारोहिका डॉ रश्मि कुमारी ने देश भक्ति से परिपूर्ण जोशपूर्ण कविता सुनाई तो वही डॉ बबली अरुण ने देशभक्तिमय सांस्कृतिक प्रस्तुति दी । भारत माता एवम् स्वतंत्रता संग्रामियों के जयकारों के साथ कार्यक्रम का प्रथम पड़ाव पूर्ण किया गया। प्राचार्या महोदया के निर्देशन में छात्राओं के लिए कार्यक्रम का सजीव प्रसारण डॉ दिनेश चंद्र शर्मा एवम् लेफ्टिनेंट डॉ मीनाक्षी लोहनी के सहयोग से लाइव वेबकास्ट के माध्यम से सम्पन्न कराया गया । समारोह के द्वितीय चरण में छात्राओं की सहभागिता को सुनिश्चित करते हुए ऑनलाइन स्वतंत्रता दिवस सांस्कृतिक समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें संकाय वार कार्यक्रमों की श्रृंखला में छात्राओं द्वारा देश भक्ति पूर्ण गीत , कविताएं , भाषण इत्यादि प्रस्तुतियां दी गई एवम् सम्पूर्ण कार्यक्रम अधिकाधिक सहभागिता सुनिश्चित करते हुए कोरोना काल की विषम परिस्थितियों में भी प्रबल देश भक्ति की भावना का प्रदर्शन किया गया । इसके अतिरिक्त डॉ.शालिनी तिवारी के निर्देशन में छात्राओं में देशभक्ति से परिपूर्ण हृदयाकर्षक पोस्टर भी विनिर्मित किए जिनकी प्राचार्या द्वारा भूरि भूरि प्रशंसा की गई। कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी प्राध्यापकों की सहभागिता रही । समारोह का आयोजन डॉ रश्मि कुमारी तथा संचालन डॉ संजीव कुमार द्वारा किया गया ।

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ की सत्र की प्रथम बैठक सम्पन्न

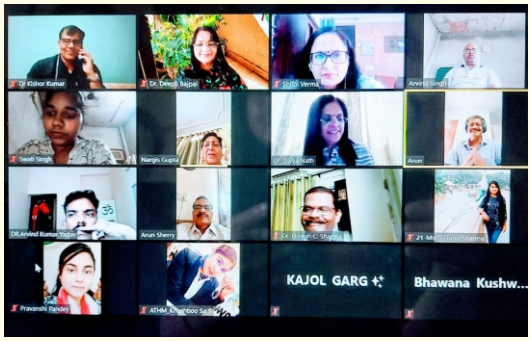

कु मायावती राजकीय महिला महाविद्यालय बादलपुर में सत्र 2020–21 में महाविद्यालय आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC) की प्रथम बैठक दिनाँक 29 अगस्त, 2020 को ऑनलाइन माध्यम से आयोजित की गई । बैठक में IQAC के मानक गठन के अनुरूप अकादमिक प्रतिनिधि के रूप में डॉ अरुण मोहन शेरी,निदेशक IIIT लखनऊ तथा डॉ ए. के सक्सेना पूर्व एसोसिएट प्रोफेसर जंतु विज्ञान राजकीय रजा कालेज रामपुर, शासन प्रतिनिधि के रूप में डॉ राजीव गुप्ता, क्षेत्रीय अधिकारी मेरठ मंडल मेरठ, एन.जी.ओ प्रतिनिधि के रूप में श्रीमती नरगिस गुप्ता, लाइन्स क्लब, श्री संजीव गर्ग, रोटरी क्लब, इंडस्ट्री प्रतिनिधि श्री चंद्र प्रकाश सिंह, अंबुजा सीमेंट्स तथा श्रीमती प्रिषा बक्शी , सामाजिक कार्यकर्ता व ग्राम प्रधान श्री विजय पाल सिंह ने बैठक में प्रतिभाग कर कार्यक्रम को सार्थकता प्रदान की । अभिभावक प्रतिनिधि के रूप में श्री अरविंद सिंह, भूतपूर्व छात्रा प्रतिनिधि कु0 काजोल, वर्तमान छात्रा प्रतिनिधि कु0 प्रवांशी पांडे, कु0 भावना कुशवाहा कु0 स्वाति सिंह, कु0 तनु शर्मा, कु0 खुशबू सैफी ने बैठक में प्रतिभाग किया। सर्वप्रथम प्राचार्या डॉ दिव्या नाथ ने सभी सम्मानित प्रतिनिधियों का स्वागत किया तथा बैठक में उनकी उपस्थिति हेतु उनके प्रति आभार ज्ञापित किया गया । तदोपरांत IQAC समन्वयक डॉ किशोर कुमार ने महाविद्यालय द्वारा किये गए कार्यों एवं उपलब्धियों की आख्या एवं आगे सम्पन्न किये जाने वाले कार्यों की रूपरेखा प्रस्तुत की। सदन में सभी प्रतिनिधियों द्वारा भावी कार्यों पर गहन विचार विमर्श किया गया तथा गुणवत्ता संवर्धन हेतु सुझाव प्रस्तुत किये गए। सर्वप्रथम वर्तमान एवम् पुरातन छात्राओं ने प्राध्यापकों द्वारा ली जा रही ऑनलाइन कक्षाओं व ई– कंटेंट की मुक्त कंठ से प्रसंशा की और इसी क्रम में डॉ शैरी ने लॉकडाउन की इस विषम परिस्थितियों में महाविद्यालय प्राध्यापकों द्वारा की जा रहे ऑनलाइन शिक्षण कार्य की सराहना करते हुए सुझाव दिया कि ई कंटेंट निर्माण के लिए swayam–2 तथा coursera के माध्यम से स्तरीय ई कंटेंट का निर्माण किया जा सकता है । वहीं डॉ सक्सेना ने छात्राओं द्वारा दिए गए फीडबैक में महाविद्यालय की ऑनलाइन कक्षाओं व ई–कंटेंट की प्रसंशा को संदर्भित कर महाविद्यालय के प्रयासों की प्रसंशा की व नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन पर बल दिया । रोटरी क्लब से जुड़े श्री संजीव गर्ग ने जहां अपना अपेक्षित सहयोग महाविद्यालय को देने का आश्वासन दिया वहीं श्रीमती नरगिस गुप्ता ने कॉलेज को

मास्क, सेनेटाइजर आदि उपलब्ध कराने का प्रस्ताव दिया। बादलपुर ग्राम प्रधान श्री विजय पाल सिंह ने महाविद्यालय द्वारा छात्राओं के हित में किए जा रहें कार्यों के प्रति पूर्ण संतुष्टि व्यक्त की। क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी डॉ राजीव गुप्ता द्वारा इस महाविद्यालय को एन.सी.आर का सर्वाधिक उत्तम राजकीय महाविद्यालय बताते हुए सुझाव दिया गया कि छात्राओं के ग्रुप बनाकर उनको स्वयं एक दूसरे की समस्या समाधान हेतु प्रेरित किया जाए तथा उनसे फीडबैक लिए जाए। महाविद्यालय के भावी लक्ष्यों में नई शिक्षा नीति पर एक वेबिनार का आयोजन, ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया के संपादन , रोजगारोन्मुख क्रियाविधियों के प्रसार, नवागत छात्राओं हेतु ऑनलाइन दीक्षारंभ कार्यक्रम के आयोजन, अधिक प्रभावोत्पादक तनाव मुक्ति कार्यक्रमों के संचालन इत्यादि कार्यों पर विशेष बल दिया गया । डॉ दीप्ति वाजपेयी ने आंतरिक परीक्षा के विषय में चर्चा होने पर कहा कि स्नातकोत्तर स्तर के सभी विभागों ने पूर्ण शुचिता के साथ समय से ऑनलाइन परीक्षाएं सम्पन्न करा ली है तथा उनके परिणाम विश्वविद्यालय को प्रेषित भी किए जा चुके हैं । प्रसन्नता की बात है कि इन ऑनलाइन परीक्षाओं में छात्राओं की उपस्थिति शत प्रतिशत रही है। श्रीमती शिल्पी ने महाविद्यालय द्वारा छात्राओं के हितार्थ किए जा रहे करियर संबंधी कार्यों के विषय में सदन को अवगत कराया । डॉ दिनेश चंद्र शर्मा ने कहा कि महाविद्यालय इस विषम परिस्थितियों में भी शिक्षण गुणवत्ता के साथ कोई समझौता नहीं कर रहा है । कार्यक्रम के अंत में आई. क्यू. ए. सी. प्रभारी डॉ किशोर कुमार द्वारा सभी का धन्यवाद व्यक्त किया एवं सभी सुझावों पर क्रियान्वयन करने का आश्वासन दिया गया । उल्लेखनीय है कि महाविद्यालय में प्रति तीन माह में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ की बैठक आहूत की जाती है जो महाविद्यालय एवं छात्राओं की उन्नति के लिए विचार विमर्श कर कार्यों को सम्पन्न करती है ।

जल शक्ति अभियान

महाविद्यालय में ''जल शक्ति अभियान'' कार्यक्रम के अंतर्गत दिनाँक 01 सितम्बर 2020 को महाविद्यालय भूगोल विभाग के तत्वावधान में अतिथि व्याख्यान आयोजित किया गया। इस अवसर पर डॉ.एन.सी.सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर– भूगोल, एम.एम.एच कॉलेज,गाजियाबाद द्वारा विस्तृत व सारगर्भित व्याख्यान दिया गया। डॉ. सिंह द्वारा जल संरक्षण हेतु राष्ट्रीय एवम अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर किये जा रहे प्रयासों एवम परिणामों से श्रोताओं को अवगत कराते हुए विषय की गंभीरता को प्रस्तुत किया गया।उक्त के अतिरिक्त उनके द्वारा महाविद्यालय की समस्त छात्राओं को महाविद्यालय परिसर में संचालित वाटर रिचार्ज पिट के तकनीकी पक्ष से भी अवगत कराया गया।समापन सत्र में संस्था की प्राचार्या प्रोफेसर (डॉ.) दिव्या नाथ द्वारा कार्यक्रम के सफल होने की शुभकामनाओं सहित समस्त प्रतिभागियों को जल चेतना के प्रति चिंतनशील होने का आह्वान किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन

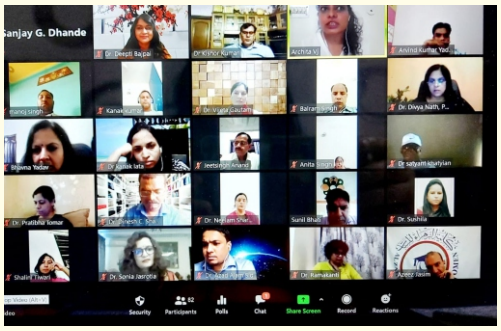

दिनांक 3.9.2020 को महाविद्यालय मे आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के तत्वावधान में एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया जिसका शीर्षक ''भारतीय शिक्षा प्रणाली का अंतर्राष्ट्रीयकरण– नवीन शिक्षा पद्धति 2020 के परिप्रेक्ष्य में सम्भावनाये था। उक्त वेबिनार का शुभारम्भ प्रातः 11 बजे हुआ आरम्भ में वेबिनार के आयोजक डॉ. किशोर कुमार ने वेबीनार का संचालन करते हुए नयी शिक्षा प्रणाली की आवश्यकता, महत्व एवं क्रियान्वयन के सभी पक्षों पर प्रकाश डाला । इसके पश्चात वेबिनार संयोजक डॉ दीप्ति वाजपेयी ने मंत्र के माध्यम से वेबिनार का श्रीगणेश किया । तत्पश्चात प्रदेश की नयी शिक्षा पद्धति के सदस्य तथा वेबिनार संयोजक डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा जी ने वेबिनार की उद्देश्य के बारे विस्तार से समझाया। तदुपरांत महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ जी ने सभी आमंत्रित वक्ताओं का स्वागत किया और कहा कि नयी शिक्षा प्रणाली आज के समय की मांग है। वेबिनार के मुख्य अतिथि पद्मभूषण से सम्मानित, पूर्व डायरेक्टर IIT – कानपुर, श्री संजय धांडे जी ने बताया कि इस नयी शिक्षा प्रणाली के माध्यम से भारत फिर से विश्व गुरु बन सकता है । भारत मे टेलेंट की कोई कमी नहीं है । द्वितीय वक्ता डॉ. विजय कुमार तिवारी , इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज शिमला ने बताया की नयी एजुकेशन पालिसी से स्मार्ट लर्निंग को बढ़ावा मिलेगा । वेबिनार के तृतीय वक्ता प्रोफेसर कुमार रत्नम, ICHR मेंबर सेक्रेटरी ने कहा कि नयी शिक्षा प्रणाली में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे क्योकि अब अध्ययन विषयो की सीमाओं से परे होगा, नयी शिक्षा प्रणाली से पारदर्शिता मे बढ़ोतरी होगी और शोध का स्तर भी ऊँचा उठेगा। इस अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार के चौथे वक्ता डॉ. अजीज जसीम मोहम्मद जी, असिस्टेंट प्रोफेसर इंग्लिश लिटरेचर अल जहरा कॉलेज फॉर वीमेन ,मस्कट ,ओमान ने अपने वक्तव्य में कहा कि नई एजुकेशन पालिसी कल्चर, म्यूच्यूअल मोबालिटी और शोध को बढ़ावा देने वाली है इससे शिक्षा का स्तर बढ़ेगा। डॉ सोनिया जसरोटिआ, विजिटिंग प्रोफेसर PSR बुद्धिस्ट विश्वविद्यालय कम्बोडिआ ने बताया नयी एजुकेशन पालिसी के पश्चात भारत मे गुणात्मक शिक्षा का विकास होगा । अर्चिता वाजपेई , बर्लिन विश्वविद्यालय, जर्मनी ने जर्मनी की शिक्षा पद्धति की तुलना भारतीय शिक्षा पद्धति से की तथा नई शिक्षा पद्धति की विशेषताओं से सबको अवगत कराया । इसके पश्चात वेबिनार के प्रतिभागियो के प्रश्नो का उत्तर वक्ताओं द्वारा दिए गया । प्रश्नोतर के पश्चात अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार के आयोजन सचिव डॉ. अरविन्द कुमार यादव ने वेबिनार की रिपोर्ट मे बताया कि वेबिनार मे कुल जूम तथा यूट्यूब के माध्यम से 1765 लोगो ने प्रतिभाग किया। इस अंतराष्ट्रीय वेबिनार मे 9 अन्य देशो के लोगो ने भी प्रतिभाग किया तथा 22 राज्यों की सहभागिता इस अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार मे थी । इस अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार के अन्य आयोजन सचिव श्रीमती शिल्पी, श्री हरिंद्र कुमार तथा डॉ विजेता गौतम जी ने वेबिनार के आयोजन में महत्वपूर्ण योगदान दिया।अंत में डॉ दीप्ति वाजपेयी ने सभी का विधिवत धन्यवाद ज्ञापन किया। ऑनलाइन माध्यम से हुए इस वेबिनार में महाविद्यालय के सभी प्राध्यापकों का विशेष योगदान रहा।

शिक्षक दिवस समारोह

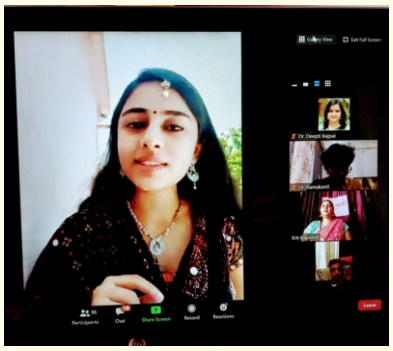

महाविद्यालय में शिक्षक–शिक्षा विभाग के सौजन्य से भारत के पूर्व राष्ट्रपति,प्रख्यात शिक्षाविद्, महान विचारक और दार्शनिक डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस पर आनलाइन माध्यम से शिक्षक दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था की प्राचार्या प्रोफेसर (डॉ.) दिव्या नाथ द्वारा की गई। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ बी.एड. द्वितीय वर्ष की छात्रा कु.ज्योति द्विवेदी द्वारा सरस्वती वंदना से हुआ जिसके उपरान्त कु.अंशिका सिंह द्वारा डॉक्टर राधाकृष्णन के जीवन वृत्त एवम विचारों पर प्रकाश डाला और उनके जीवन से संबंधित प्रेरक प्रसंग सांझा किये। उक्त क्रम में कु. रिंकी शर्मा ने स्वरचित कविता के माध्यम से गुरु की महिमा को प्रकट किया। एक रोचक संदर्भ में कु. मोनिका श्रीवास्तव ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति श्री अब्राहम लिंकन द्वारा अपने पुत्र के शिक्षक को लिखे गए पत्र को पढ़कर सुनाया, जहाँ उन्होंने उन विशेषताओं का वर्णन किया है जो वे अगली पीढ़ी के युवाओं में देखना चाहते हैं। कार्यक्रमों की श्रंखला में कु.मोहनी,कु.कविता तथा कु. अमिता चौरसिया ने गीतों के माध्यम से शिक्षकों के छात्र जीवन में योगदान को याद किया। कपिलेश तथा कु. साधना ने शिक्षकों का समाज में योगदान पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का संचालन बी.एड.द्वितीय वर्ष की छात्रा कु. प्रवासी पांडे द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंतिम सत्र में महाविद्यालय की प्राचार्या एवम कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं प्रोफे०(डॉ.) दिव्या नाथ ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षण का कार्य बहुत पवित्र होता है इसीलिए शिक्षकों को ईश्वर से बढ़कर स्थान दिया गया है। शिक्षक समाज का वह स्पंदन है जो अनगढ़ पत्थर में भी राम व कृष्ण की मूर्ति उकेर सकता है।समापन सत्र में शिक्षक–शिक्षा विभाग प्रभारी डॉ. बलराम सिंह द्वारा सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित कर कार्यक्रम में सहभागिता के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय परिवार के समस्त शिक्षकों की उपस्थिति एवम सहयोग छात्राओं के लिए अत्यंत प्रेरणादायी रहा।

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह का आयोजन

विद्यार्थी जीवन में खाद्य एवं पोषण की भूमिका का महत्व समझते हुए प्रत्येक वर्ष दिनाँक 01.09.2020 से दिनाँक 07.09.2020 को ''राष्ट्रीय पोषण सप्ताह'' का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष यह सप्ताह गृह विज्ञान विभाग द्वारा ऑनलाइन प्लेटफार्म पर आयोजित किया गया। जिसमें विभाग की छात्राओं के साथ साथ महाविद्यालय की अन्य छात्राओं ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। गृह विज्ञान की छात्राओं द्वारा एक शॉर्ट फिल्म निर्माण कर प्रथम दिवस विभिन्न सोशल मीडिया एवं अन्य प्लेटफार्म पर प्रदर्शित किया गया जिसका शीर्षक '' जंक फूड बनाम पौष्टिक भोजन (Junk Food Vs Healthy Food)'' था। इस फिल्म का उद्देश्य भोजन में उपलब्ध पौष्टिक तत्वों के महत्व को लोगो तक पहुचना है। सप्ताह के अन्य दिनों में छात्राओ हेतु खाद्य एवं पोषण विषय पर पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता, स्वरचित कविता लेखन प्रतियोगिता एवं क्विज का ऑनलाइन आयोजन किया गया। सप्ताह के समापन समारोह पर दिनाँक 07.09.2020 को गृह विज्ञान विभाग द्वारा महाविद्यालय की प्राचार्या महोदया डॉ. दिव्या नाथ के निर्देशन में एक ऑनलाइन एक्सटेंशन लेक्चर का आयोजन किया गया । डॉ शिवानी वर्मा, विभागाध्यक्ष, गृह विज्ञान विभाग, द्वारा प्राचार्या, अतिथियों एवं छात्राओं के स्वागत के बाद विषय भूमिका पर प्रकाश डालते हुए, कार्यक्रम अध्यक्ष महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ दिव्या नाथ जी को अध्यक्षीय उदबोधन हेतु आमंत्रित किया गया। प्राचार्या महोदया ने गृह विज्ञान विभाग को बधाई देते हुए विषय की उपयोगिता पर प्रकाश डाला और आज के समय मे संतुलित आहार के पालन पर जोर दिया। इसके बाद कार्यक्रम की मुख्य विशिष्ट वक्ता श्रीमती प्रियंका अग्रवाल द्वारा '' How to stay Healthy (स्वस्थ कैसे रहा जाए)'' विषय पर खाद्य एवं पोषण के विभिन्न उदाहरणों द्वारा बहुत ही सरल भाषा मे व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। व्याख्यान के अंतिम चरण में छात्राओं के प्रश्नों के उत्तर दिए गए। श्रीमती माधुरी पाल द्वारा छात्राओं कविता पाठ के लिए भी आमंत्रित किया गया। विभिन्न संकायों की छात्राओं द्वारा पोषण विषय पर स्वरचित कविता सुनाई गई। कार्यक्रम के अंत मे श्रीमती शिल्पी द्वारा प्राचार्या महोदया, अतिथिगण एवं छात्राओं का धन्यवाद ज्ञापन किया गया। सम्पूर्ण सप्ताह में आयोजित कार्यक्रम महाविद्यालय की छात्राओ एवं प्राध्यापकगण हेतु बहुत उपयोगी सिद्ध हुए ।

हिंदी सप्ताह का आयोजन

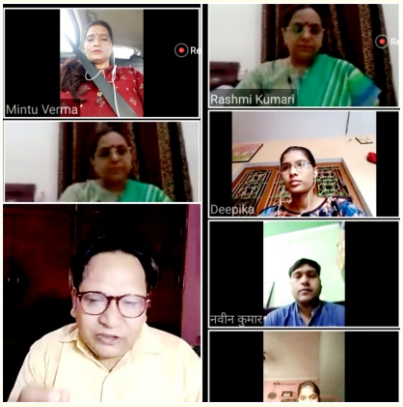

महाविद्यालय में हिंदी परिषद के तत्वावधान में 8 सितंबर 2020 से 14 सितंबर 2020 तक हिंदी सप्ताह का आयोजन किया गया।सप्ताह भर निबंध, लेखन, सूक्ति लेखन, कहानी लेखन, भाषण व निबंध लेखन प्रतियोगिताओं के माध्यम से छात्राओं को हिंदी भाषा के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। प्रतियोगिताओं में महाविद्यालय के समस्त संकायों की छात्राओं ने उत्साह पूर्वक प्रतिभाग किया।14 सितंबर 2020 को हिंदी दिवस के शुभ अवसर पर वेब गोष्ठी आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता प्राचार्या डॉ दिव्या नाथ द्वारा की गई। गोष्ठी में ख्याति प्राप्त कवि श्रेष्ठ डॉ. सतीश वर्धन, डॉ. नवीन ने उपस्थित होकर छात्राओं का उत्साह वर्धन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. नवीन जी द्वारा सरस्वती वंदना से हुआ तत्पश्चात डॉ. सतीश वर्धन ने गद्य और पद्य शैलियों के माध्यम से छात्राओं को हिंदी भाषा के समृद्ध व गौरवशाली इतिहास से परिचित कराया व वर्तमान समय में हिंदी भाषा की उपयोगिता के बारे में विस्तार से चर्चा की। डॉ नवीन जी ने काव्य पाठ के माध्यम से हिंदी के महत्व पर प्रकाश डाला। हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ रश्मि कुमारी ने रोजगार के क्षेत्र में हिंदी भाषा की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। हिंदी विभाग की स्नातकोत्तर छात्रों द्वारा भी काव्य पाठ किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ जीत सिंह के द्वारा किया गया। डॉ अर्चना सिंह द्वारा सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

भारत की अवधारणा विषय पर प्रसार व्याख्यान आयोजित

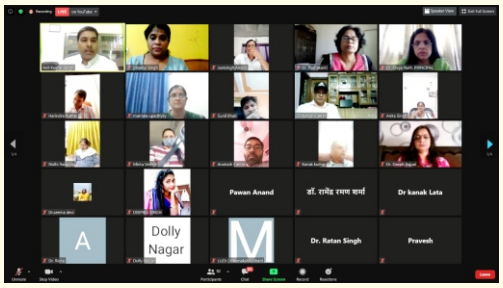

महाविद्यालय में स्वामी विवेकानंद अध्ययन केंद्र एवं प्रसार व्याख्यान समिति के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 30 सितंबर 2020 को ''भारत की अवधारणा '' विषय पर प्रसार व्याख्यान आयोजित किया गया । डॉ. अनिल कुमार सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर ,जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी ,नई दिल्ली ने मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित होकर उपर्युक्त विषय पर सारगर्भित व्याख्यान दिया। उन्होंने भारतीय संस्कृति के प्रमुख बिन्दुओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्राचीन समय से ही भारत अपनी विशिष्ट सांस्कृतिक विविधताओं एवं विशिष्टताओं के कारण सम्पूर्ण विश्व के आकर्षण का केंद्र रहा है। प्लूटो ,अरस्तु, सुकरात जैसे दार्शनिकों ने भारतीय संस्कृति एवं ज्ञान से प्रभावित होकर यहां के प्रखर ज्ञान का प्रचार विदेशों में किया। भारत की पहचान यहां बसने वाले नागरिकों के व्यवहार ,आचार और संस्कारों से है अतः हमारी सांस्कृतिक विरासत की रक्षा करना तथा अपने प्राच्य ज्ञान को समसामयिक परिप्रेक्ष्य में आगे ले जाना हम भारतीयों का दायित्व है । महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ दिव्या नाथ जी ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि भारत का अर्थ भारत अर्थात ज्ञान में रत होना है । भारत का अपना गौरवशाली इतिहास है किन्तु वर्तमान परिस्थितियों में भारत के समक्ष अनेक चुनौतियां है, जिनका हमे एकजुट होकर सामना करना है ।

कार्यक्रम के संयोजक डॉ किशोर कुमार जी ने स्वामी विवेकानंद एवं महात्मा गांधी के विचारों को आत्मसात करने की प्रेरणा दी साथ ही उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति प्रारम्भ से ही समन्वयकारी रही है ।भारत में विविधता को एकता में परिणित करने का अद्भुत गुण रहा है। यह एकता भौगोलिक, सामाजिक, धार्मिक एकता के रूप में एक राष्ट्र की संकल्पना पर आधारित है। आज भी आवश्यकता भारतीय संस्कृति के ''सर्वेकत्वम'' के गुण को आत्मसात करने की है ।

इस क्रम में प्रसार व्याख्यानमाला की प्रभारी डॉ निधि रायजादा ने भारत के अनेक नामों के विषय पर चर्चा की। कार्यक्रम का आयोजन व संचालन डॉ. किशोर कुमार द्वारा किया गया तथा कार्यक्रम के अंत में डॉ निधि रायजादा द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया । इस अवसर पर महाविद्यालय परिवार के सभी सदस्य, शोधार्थी व छात्राएं उपस्थित थे । प्राचार्या महोदया के निर्देशन एवं सभी की सहभागिता से यह कार्यक्रम अत्यधिक सफल रहा।

ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया का संचालन

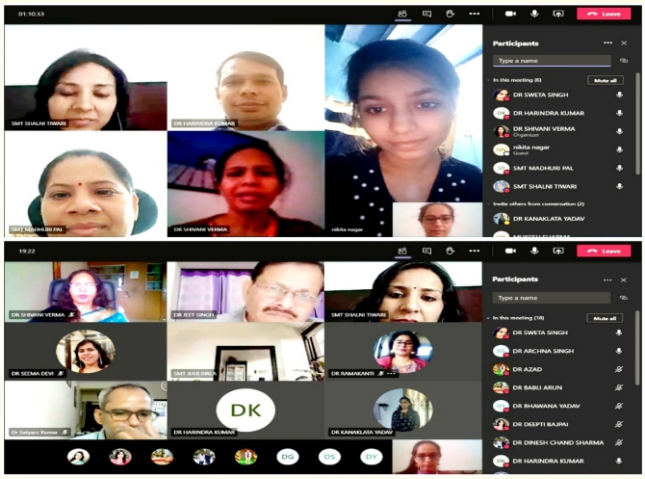

महाविद्यालय में कोविड़–19 की विषम परिस्थितियों में छात्राओं हेतु सुरक्षात्मक उपाय अपनाते हुए वर्तमान सत्र में ऑनलाइन माध्यम से प्रवेश प्रक्रिया संपन्न की जा रही है । महाविद्यालय में संचालित समस्त पाठ्यक्रमों के द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में प्रवेश प्रक्रिया सितंबर माह से आरंभ हो चुकी है। यद्यपि पूर्व में भी छात्राएं महाविद्यालय प्रवेश फॉर्म ऑनलाइन भरती थी , किंतु ऑनलाइन फॉर्म भरने के पश्चात छात्राएं महाविद्यालय में प्रवेश समिति के सम्मुख उपस्थित होकर प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण करती थी। किंतु वर्तमान समय में कोरोना महामारी से सुरक्षा के दृष्टिगत संपूर्ण प्रक्रिया ऑनलाइन कर दी गई है । जिसमें छात्राएं महाविद्यालय की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन फॉर्म भरने के बाद ऑनलाइन माध्यम से ही प्रवेश समिति से संपर्क कर रही है एवं समस्त प्रवेश समितियों के द्वारा ऑनलाइन माध्यम से भी प्रवेश संबंधी समस्त समस्याओं का निराकरण करते हुए छात्राओं का प्रवेश किया जा रहा है। विश्वविद्यालय से मेरिट लिस्ट के निर्गत होने के बाद महाविद्यालय में समस्त पाठ्यक्रमों के प्रथम वर्ष में प्रवेश भी शीघ्र ही ऑनलाइन माध्यम से संपन्न किए जाएंगे। इस संपूर्ण प्रवेश प्रक्रिया में महाविद्यालय प्राचार्या डॉ दिव्या नाथ के दिशा निर्देशन में डॉ डी.सी.शर्मा एवं समस्त प्रवेश समितियों का महत्वपूर्ण योगदान है।

महाविद्यालय में प्रथम बार विश्वविद्यालय मूल्यांकन केंद्र विनिर्मित

कोविड–19 की विषम परिस्थितियों में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ द्वारा उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन हेतु विकेंद्रीकृत प्रणाली अपनाते हुए कु मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय बादलपुर को उसकी शुचिता , पारदर्शिता, कर्तव्यपरायणता एवं नियमबद्धता के साथ गुणवत्तापूर्ण कार्यों को करने की ख्याति के कारण विश्वविद्यालय परीक्षा का मूल्यांकन केंद्र बनाया गया । जिसमे स्नातक तथा स्नातकोत्तर के विभिन्न विषयों की उत्तरपुस्तिकाओं के मूल्यांकन का दायित्व महाविद्यालय को सौंपा गया । महाविद्यालय ने कोविड–19 की विषम परिस्थितियों में प्राप्त इस गुरूतर दायित्व को प्राचार्या डॉ दिव्या नाथ के निर्देशन में रणनीति बनाकर समय सीमा के अंदर सफलापूर्वक पूर्ण किया , जिसमे समस्त प्राध्यापकों व कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

अंतर्राष्ट्रीय ओजोन दिवस

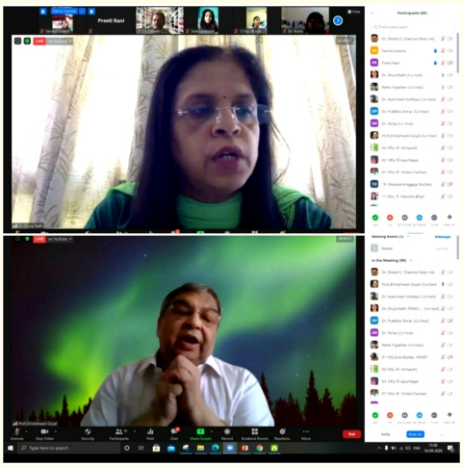

महाविद्यालय में दिनांक 18 सितंबर 2020 को ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से ओजोन दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य एवं वैश्विक उषमन् की समस्या को ध्यान में रखते हुए ओजोन परत को क्षरण से बचाने हेतु संयुक्त प्रयास सुनिश्चित करने के लिए दिनांक 16 सितंबर को हर वर्ष ओजोन संरक्षण दिवस मनाया जाता है । महाविद्यालय में दिनांक 16 व 17 सितंबर को वार्षिक परीक्षाएं संचालित होने के कारण इस वर्ष यह कार्यक्रम दिनांक 18 सितंबर को आयोजित किया गया । इस अवसर पर पूर्व संयुक्त उच्च शिक्षा सचिव एवं महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य डॉ अश्विनी कुमार गोयल ,मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित रहे एवं महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की । मुख्य अतिथि महोदय ने अपने वक्तव्य में छात्राओं को ओजोन परत से संबंधित सभी आयामों से परिचित कराया एवं छात्राओं का ज्ञान वर्धन किया। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ दिव्या नाथ ने मुख्य अतिथि महोदय के स्वागत के उपरांत उक्त दिवस की आवश्यकता एवं महत्व पर विस्तार से चर्चा की। ओजोन परत से संबंधित छात्राओं का ज्ञान बढ़ाने के उद्देश्य से कुछ दिनों पूर्व ही एक पोस्टर प्रतियोगिता की घोषणा की गई थी, जिसका परिणाम प्राचार्या महोदय द्वारा कार्यक्रम के दौरान घोषित किया गया । उक्त प्रतियोगिता के परिणाम निम्नवत रहे–प्रथम स्थान कुमारी श्वेता सिंह बी.एस.सी तृतीय वर्ष, द्वितीय स्थान कुमारी काजल बी.ए तृतीय वर्ष,एवं तृतीय स्थान कुमारी रूपान्शी सिसोदिया बी.एस.सी तृतीय वर्ष। कार्यक्रम के दौरान एक ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता का भी आयोजन विज्ञान संकाय के प्रभारी डॉ दिनेश चंद शर्मा द्वारा किया गया, जिसमें कुमारी राशि गर्ग बी.एस.सी तृतीय वर्ष प्रथम स्थान, कुमारी नेहा भाटी बी.एस.सी तृतीय वर्ष द्वितीय स्थान एवं कुमारी हिमांशी बी.एस.सी द्वितीय वर्ष तृतीय स्थान पर रहीं । कार्यक्रम में 99 लोगों ने भाग लिया ।कार्यक्रम का संचालन रसायन विज्ञान विभाग प्रभारी श्रीमती नेहा त्रिपाठी द्वारा किया गया एवं धन्यवाद ज्ञापन भौतिक विज्ञान विभाग प्रभारी डॉ. ऋचा द्वारा किया गया। कार्यक्रम के आयोजन में वनस्पति विज्ञान विभाग प्रभारी डॉ. प्रतिभा तोमर का महत्वपूर्ण योगदान रहा ।

विश्व शांति दिवस

21 सितंबर के दिवस को पूरे विश्व में शांति दिवस के रुप में मनाया जाना इस बात का द्योतक है कि विश्व के सभी राष्ट्रीय छोटे हो या बड़े, विकसित हो या विकासशील आपस में एक दूसरे के साथ मैत्री संबंधों की कामना करते हैं । भारत प्राचीन काल से ही शांति का पक्षधर रहा है। भारत भूमि गौतम बुद्ध, महावीर स्वामी, महात्मा गांधी जैसे वीर सपूतों की जन्मभूमि और कर्म भूमि है, जिन्होंने सदैव ही सत्य और अहिंसा का संदेश दिया है। भारत कभी भी किसी राष्ट्र के साथ शत्रुता नहीं चाहता ,परंतु इसके बावजूद उसके पड़ोसी देश चीन और पाकिस्तान उसे उकसाने का कार्य करते रहते हैं। यही कारण है कि स्वतंत्रता प्राप्ति के उपरांत भारत को ना चाहते हुए भी अपने इन पड़ोसी देशों के साथ युद्ध में संलग्न होना पड़ा। वर्तमान समय में भी यह दोनों देश भारत के लिए निरंतर चुनौतियां प्रस्तुत करते रहते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए इस सत्र में विश्व शांति दिवस 21 सितंबर 2020 को महाविद्यालय के इतिहास विभाग के तत्वावधान में 'वर्तमान समय में भारत चीन संबंध' विषय पर एक ऑनलाइन निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया ,जिसमें महाविद्यालय के सभी विभागों से छात्राओं ने भाग लिया। यह प्रतियोगिता इतिहास विभाग प्रभारी डॉ आशा रानी तथा एसोसिएट प्रोफेसर डॉ निधि रायजादा द्वारा संपन्न कराई गई जिसके परिणाम निम्नवत रहे–

1– कुमारी सुमन वर्मा बी.एड.द्वितीय वर्ष–प्रथम स्थान
2– कुमारी पूनम बी.एससी .तृतीय वर्ष–द्वितीय स्थान
3–कुमारी तनु शर्मा बी.एससी. तृतीय वर्ष–तृतीय स्थान

''राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एक विमर्श'' विषय पर बेविनार आयोजित

महाविद्यालय में दिनांक 29 सितम्बर 2020 को संस्कृत विभाग में छात्राओं को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के विषय में जागरूक करने के उद्देश्य से वेबिनार का आयोजन किया गया जिसका विषय था– ''राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: एक विमर्श''। प्राचार्य महोदया की अध्यक्षता में आयोजित इस वेबीनार का शुभारंभ प्राचार्या द्वारा मां सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्जवलन से किया गया । तत्पश्चात विभाग प्रभारी डॉ दीप्ति वाजपेयी द्वारा प्राचार्या महोदया का स्वागत किया गया तथा इसी क्रम में वेबीनार का विषय प्रवर्तन करते हुए कहा गया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अपार संभावनाओं को साथ लेकर आई है इसको उचित रूप से क्रियान्वित किया जाना आवश्यक है । अपने अध्यक्षीय संबोधन में प्राचार्या डॉ दिव्या नाथ द्वारा विभाग के इस प्रयास की प्रशंसा की गई साथ ही छात्राओं को देश के प्रति उत्तरदायी होने की प्रेरणा दी गई। इस क्रम में विभाग प्राध्यापिकाओं डॉ. नीलम शर्मा तथा डॉ. कनक लता ने विषयगत विचार व्यक्त किए। शोध पत्र प्रस्तुतीकरण सत्र में स्नातकोत्तर की छात्राओं के द्वारा नई शिक्षा नीति पर अपने विचार प्रस्तुत किए गए ।कार्यक्रम के अंत में डॉ. नीलम शर्मा द्वारा सभी का आभार ज्ञापित किया गया । वेबिनार का संचालन डॉ. दीप्ति वाजपेयी द्वारा किया गया । वेबिनार में स्नातक व स्नातकोत्तर स्तर की संस्कृत विषय की सभी छात्राएं उपस्थि थी।

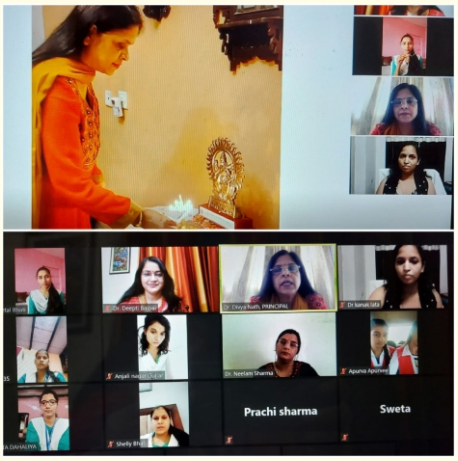

माइक्रोसॉफ्ट टीम ऐप 360 (एक पहल)

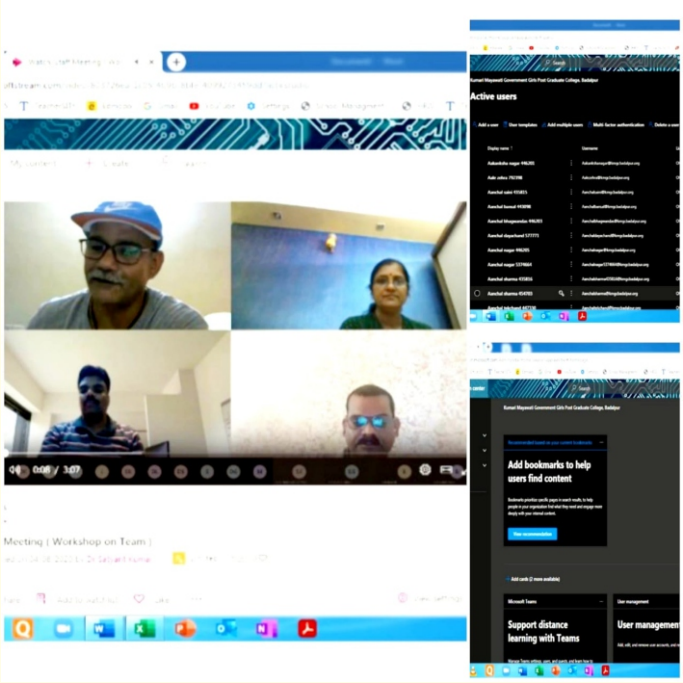

कुमारी मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय बादलपुर कॉलेज के लिए अत्यंत प्रसन्नता का विषय है कि वह उत्तर प्रदेश की चिर स्थाई सुविधा प्राप्त करने वाली राजकीय संस्थाओं में प्रथम ऐसी संस्था है , जहां माइक्रोसॉफ्ट टीम के कोलैबरेशन से ऑनलाइन माध्यम द्वारा पठन पाठन का कार्य सुचारू रूप से संपन्न किया जा रहा है । महाविद्यालय में माइक्रोसॉफ्ट टीम के कोलैबरेशन से मिश्रित शिक्षा प्रणाली के अंतर्गत छात्राएं माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस 365 से ऑनलाइन शिक्षा ग्रहण कर रही हैं। डॉ सत्यन्त कुमार के सौजन्य एवं प्रयासों के फलस्वरूप हुए इस कोलैबोरेशन में टीम ने महाविद्यालय को निम्नवत सुविधाएं प्रदान की हैं–

1: 5000 छात्राओं हेतु लाइसेंस।

2: 5000 संकाय (फैकल्टी)हेतु लाइसेंस ।

3 : 1000 व्यवसायिक लाइसेंस। माइक्रोसॉफ्ट टीम 365 न केवल इस महामारी की अवधि में लाभदायक है अपितु शिक्षण एवं आईटी विभागों के लिए सरल एवं सुविधाजनक भी है । माइक्रोसॉफ्ट टीम के माध्यम से महाविद्यालय अग्रलिखित सुविधाओं का उपयोग एवं कार्यविधि संचालित कर रहा है–

1:सभी कार्यालय उपकरणों की पहुंचः ऑफिस टूल के माध्यम से महाविद्यालय ने लाइसेंस में वर्ड एक्सेल, पावर पॉइंट, 5000 छात्राओं एवं शिक्षकों हेतु अधिक से अधिक डाटाबेस(1टेरा बाइट) प्राप्त किया है।

2: एडमिन की तरफ से संस्था की सभी छात्राओं एवं प्राध्यापकों को माइक्रोसॉफ्ट आईडी भेज दी गई।

3 :माइक्रोसॉफ्ट टीम ऐप द्वारा ऑनलाइन माध्यम से कोलैबोरेशन किया गया जिसमें छात्राएं ऑनलाइन ऑफलाइन माध्यम से अपने शिक्षकों को प्रोजेक्ट कार्य या अन्य कार्य भेज सकती हैं।

4:एम एस डायनामिक, जिसमें संस्था एक या अधिक ऐप सरलता से सुरक्षित रख सकती है।

5:माइक्रोसॉफ्ट टीम ऐप द्वारा वन नोट पैड ,माइक्रोसॉफ्ट शेयर प्वाइंट आदि उपलब्ध कराए हैं। माइक्रोसॉफ्ट टीम की ये सभी सुविधायें निःशुल्क उपलब्ध करायी जा रही हैं।

करियर काउंसिलिंग एवं रोजगार प्रकोष्ट के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

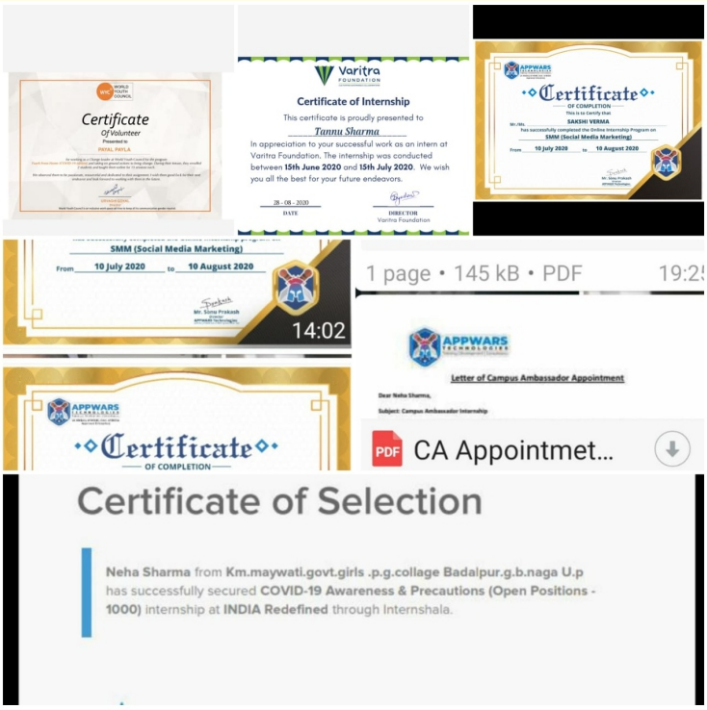

करियर काउंसलिंग एवं रोजगार प्रकोष्ठ के अंतर्गत मेधा के सौजन्य से सत्रारंभ में लगभग 20 वेबीनार आयोजित किए गए। आयोजन के विभिन्न विषय निम्नलिखित थे:

Movie Premiere & live Q&A, Entrepreneurship after COVID-19, रोजगार, स्व रोजगार या व्यापार – क्या होगा कैरियर करोना के उस पार,Mental Health, Financial Market and its scope, Network Marketing as a career, Understanding Digital Marketing better, Important Skills required for youth job, Career Awareness in Banking and Financial Sector, Power of Networking, Managing Time and Skills during a crisis and staying motivated,किसान का खेत से बाजार तक का बदलता सफर, Goal Setting & Manning Goal, Social Media for building career, Breaking Sales Myth, Professional communication लाकडाउन के समय छात्राओं में e learning और व्यवसाय कौशल के विकास हेतु विभिन्न सेशन आयोजित किए गये। जिसमें प्रमुख रुप से Personality Development,Communication skill, Resume writing, Using social platform for accessing job opportunity, Work from home, training on Microsoft team, Awareness on Covid 19,Creating profile on Internshala & other Applications, Providing basic computer education, E-Skill Learning app, Mock interviews, Discussion on online courses, Sharing online Internship platform,Creation of Linkedin and Gmail account - 66 छात्राएं ऑनलाइन इंटर्नशिप हेतु विभिन्न संस्थानों से जुड़ी, जिसमें 39 छात्राओं ने सफलतापूर्वक एक माह का इंटर्नशिप पूर्ण किया। महाविद्यालय की छात्राएँ, विभिन्न संस्थान जैसे SDDNNA, Varitra foundation, APPWARS Technologies, Hamari pahchan NGO, Teach from home (World Youth Council), Parimal Foundation, Digi Fuse Marketing से internship हेतु जुड़ी। मेधा संस्थान द्वारा संचालित CAB (Career Advancement Bootcamp) प्रशिक्षण (2019–20), मे 65 छात्राओं ने 30 घंटों की कक्षाएं सफलतापूर्वक पूर्ण किया। मेधा के सौजन्य से 2020–21 सत्र में 30 घंटे की CAB की ऑनलाइन कक्षाओं का संचालन शुरू हो गया है।

संरक्षिका
डॉ. दिव्या नाथ
(प्राचार्या)

छात्रा प्रतिनिधि-
कु. प्रवांशी पांडे, बी.एड़. द्वितीय वर्ष
कु. अंजलि नागर, एम.ए. द्वितीय वर्ष

सम्पादिका
डॉ. दीप्ति वाजपेयी
डॉ. मिन्तु
डॉ. नीलम शर्मा

KMGGPGC
स्थापना वर्ष-1997